



Naveen



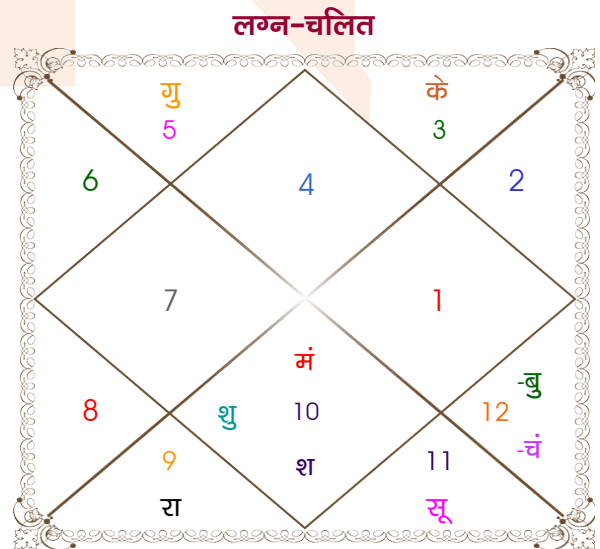
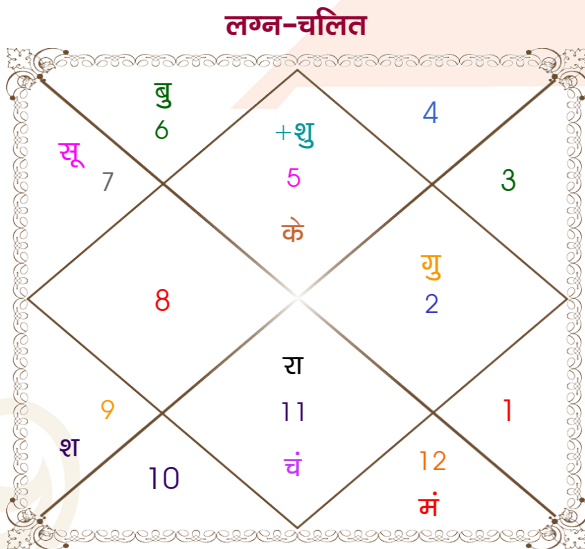
Sanju

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121858704

पुल्लिंग : \_\_\_\_\_ लिंग \_\_\_\_\_ : स्त्रीलिंग  
 21-22/10/1988 : \_\_\_\_\_ जन्म तिथि \_\_\_\_\_ : 05/03/1992  
 शुक्र-शनिवार : \_\_\_\_\_ दिन \_\_\_\_\_ : गुरुवार  
 घंटे 02:30:00 : \_\_\_\_\_ जन्म समय \_\_\_\_\_ : 16:30:00 घंटे  
 घटी 49:46:25 : \_\_\_\_\_ जन्म समय(घटी) \_\_\_\_\_ : 24:09:42 घटी  
 India : \_\_\_\_\_ देश \_\_\_\_\_ : India  
 Pathankot : \_\_\_\_\_ स्थान \_\_\_\_\_ : Delhi  
 32:16:00 उत्तर : \_\_\_\_\_ अक्षांश \_\_\_\_\_ : 28:39:00 उत्तर  
 75:43:00 पूर्व : \_\_\_\_\_ रेखांश \_\_\_\_\_ : 77:13:00 पूर्व  
 82:30:00 पूर्व : \_\_\_\_\_ मध्य रेखांश \_\_\_\_\_ : 82:30:00 पूर्व  
 घंटे -00:27:08 : \_\_\_\_\_ स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_ : -00:21:08 घंटे  
 घंटे 00:00:00 : \_\_\_\_\_ ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_ : 00:00:00 घंटे  
 06:35:25 : \_\_\_\_\_ सूर्योदय \_\_\_\_\_ : 06:42:13  
 17:46:41 : \_\_\_\_\_ सूर्यास्त \_\_\_\_\_ : 18:23:24  
 23:42:07 : \_\_\_\_\_ चित्रपक्षीय अयनांश \_\_\_\_\_ : 23:45:10

विंशोत्तरी राहु 1वर्ष 3मा 5दि बुध 26/01/2025 26/01/2042		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी गुरु 2वर्ष 1मा 23दि बुध 28/04/2013 29/04/2030	
बुध	25/06/2027	11:47:18	सिंह	लग्न	कर्क	27:35:02	बुध	25/09/2015
केतु	21/06/2028	04:58:56	तुला	सूर्य	कुंभ	21:22:41	केतु	21/09/2016
शुक्र	22/04/2031	19:03:49	कुंभ	चंद्र	मीन	01:32:37	शुक्र	23/07/2019
सूर्य	26/02/2032	06:26:33	मीन व	मंगल	मक	18:44:37	सूर्य	29/05/2020
चन्द्र	28/07/2033	18:11:38	कन्या	बुध	मीन	08:34:45	चन्द्र	28/10/2021
मंगल	25/07/2034	11:12:04	वृष व	गुरु व	सिंह	15:13:02	मंगल	25/10/2022
राहु	10/02/2037	26:36:18	सिंह	शुक्र	मक	25:42:09	राहु	14/05/2025
गुरु	19/05/2039	04:22:28	धनु	शनि	मक	19:35:52	गुरु	19/08/2027
शनि	26/01/2042	19:33:57	कुंभ	राहु व	धनु	13:34:35	शनि	29/04/2030
		19:33:57	सिंह	केतु व	मिथु	13:34:35		
		04:14:37	धनु	हर्ष	धनु	23:19:46		
		14:01:01	धनु	नेप	धनु	24:38:00		
		18:15:06	तुला	प्लूटो व	तुला	29:10:36		



## अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	अश्व	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	गुरु	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
<b>कुल :</b>			<b>36</b>	<b>8.00</b>		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Naveen का वर्ग मेष है तथा Sanju का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Naveen और Sanju का मिलान ठीक नहीं है।

## मंगलीक दोष मिलान

Naveen मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुण्डली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Naveen कि कुण्डली में अष्टम भाव में मीन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Sanju मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुण्डली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Sanju कि कुण्डली में सप्तम भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम् ।  
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा ।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Sanju कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहु त्रिषट् एकादशे शनिः ।  
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Sanju कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत् ।  
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत् ।।**

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Naveen कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Naveen तथा Sanju में मंगलीक मिलान ठीक है।

**निष्कर्ष**

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।